**प्रश्न 1. मंगलम् पाठ में सत्य का स्वरूप क्या है?**

**उत्तर:** मंगलम् पाठ में महर्षि वेदव्यास ने बताया है कि सत्य की ही जीत होती है, असत्य की नहीं। सत्य के द्वारा ही देवलोक का मार्ग प्रशस्त होता है। ईश्वर (सत्य) का मुख सोने के पात्र से ढका हुआ है।

**प्रश्न 2. पाटलिपुत्र के प्राचीन वैभव का वर्णन करें।**

**उत्तर:** पाटलिपुत्र (पटना) एक प्राचीन महानगरी है। दामोदर गुप्त के अनुसार, यह नगर पृथ्वी का तिलक और शिक्षा-सभ्यता का केंद्र था। यहाँ सरस्वती के वंशज (विद्वान) रहते थे। चंद्रगुप्त मौर्य के समय यहाँ की शोभा और रक्षा व्यवस्था अति उत्तम थी।

**प्रश्न 3. अलसकथा पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है?**

**उत्तर:** अलसकथा पाठ विद्यापति द्वारा रचित है। इस पाठ से हमें शिक्षा मिलती है कि आलस्य एक भयंकर रोग है। मनुष्य को परिश्रमी होना चाहिए। सच्चे कर्मठ व्यक्ति ही जीवन में आगे बढ़ते हैं, जबकि आलसी व्यक्ति दूसरों पर निर्भर रहते हैं।

**प्रश्न 4. अलसशाला में आग क्यों लगाई गई?**

**उत्तर:** अलसशाला के कर्मचारियों द्वारा आलसियों की परीक्षा लेने के लिए आग लगाई गई थी। असली आलसियों की पहचान करने के लिए यह उपाय किया गया था, क्योंकि धूर्त लोग मुफ्त का भोजन प्राप्त करने के लिए वहाँ जमा हो गए थे।

**प्रश्न 5. संस्कृत साहित्य में महिलाओं का क्या योगदान है?**

**उत्तर:** वैदिक युग से लेकर आज तक संस्कृत साहित्य में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ऋग्वेद में अपाला, घोषा आदि विदुषियों का वर्णन है। लौकिक संस्कृत साहित्य में विजयांका, शीलाभट्टारिका और देवकुमारिका जैसी कवयित्री प्रसिद्ध रहीं।

**प्रश्न 6. नीतिश्लोका: पाठ के आधार पर मूर्ख व्यक्ति कौन है?**

**उत्तर:** नीतिश्लोका: पाठ के अनुसार, वह व्यक्ति जो बिना बुलाए किसी के घर जाता है, बिना पूछे बहुत बोलता है और अविश्वासी पर विश्वास करता है, उसे सबसे बड़ा मूर्ख माना गया है।

**प्रश्न 7. नरक के कितने द्वार हैं?**

**उत्तर:** नरक के तीन द्वार हैं, जिनसे मनुष्य का विनाश होता है- काम (वासना), क्रोध (गुस्सा), और लोभ (लालच)। इन तीनों को नरक का द्वार कहा गया है।

**प्रश्न 8. मंदाकिनी नदी का वर्णन अपने शब्दों में करें।**

**उत्तर:** मंदाकिनी नदी प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। महर्षि वाल्मीकि ने इसका वर्णन करते हुए कहा है कि यह नदी रंग-बिरंगे फूलों से घिरी है और इसके जल को हिरण पीते हैं। यह नदी अत्यंत पवित्र और मन को मोहने वाली है।

**प्रश्न 9. व्याघ्रपथिक कथा से क्या शिक्षा मिलती है?**

**उत्तर:** इस कथा से यह शिक्षा मिलती है कि हिंसक प्राणियों (लालची व्यक्ति या जानवरों) पर कभी विश्वास नहीं करना चाहिए। लालच में आकर पथिक ने अपनी जान गंवा दी। इसलिए, लोभ मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।

**प्रश्न 10. कर्णदानवीरता पाठ का सारांश लिखें।**

**उत्तर:** कर्ण कुंती का पुत्र था और जन्म से ही उसे कवच और कुंडल प्राप्त थे। देवराज इंद्र छलपूर्वक ब्राह्मण का वेश धारण करके कर्ण से उसके कवच-कुंडल मांग लेते हैं। कर्ण जानता था कि इन्हें देने से उसकी जान को खतरा है, फिर भी अपने दानवीर स्वभाव के कारण वह उन्हें दान कर देता है।